MARJ-07

December - Examination 2025
M.A. (Final) Examination
राजस्थानी
(साहित्यशास्त्र अर पाठालोचन)
Paper : MARJ-07

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **80***]

निर्देश :– औ प्रश्न–पत्र तीन खण्डां 'अ', 'ब' अर 'स' मांय बंट्योड़ौ है। खण्ड 'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड 'ब' में छोटा सवाल अर खण्ड 'स' में मोटा सवाल दियोड़ा है।

खण्ड–'अ' **8×2=16**

(साव छोटा सवाल)

निर्देश :– इण खण्ड रा **सगळां** सवालां रा पडूत्तर देवणा जरूरी है। आपरौ पडूत्तर री सींव अधिकतम **30** सबद हुवणी चाहिजै।

1. (I) ''काव्य हेतु'' सूं आप कांई अरथाव करौ?

   (II) भरतमुनि रचित काव्यशास्त्रीय ग्रंथ रौ नांव का कांई है?

   (III) ''ध्वनि सिद्धांत'' रा प्रवर्तक आचार्य कुण हा?

   (IV) आचार्य जगन्नाथ रचित ग्रंथ रौ नांव लिखौ।

   (V) आयूणा विद्वान कॉलरिज किण काव्य सिद्धांत री थरपणा करी?

   (VI) ''अभिव्यंजनावाद'' सिद्धांत री थरपणा करण वाळा विद्वान हा।

   (VII) ''पिंगळ शिरोमणी'' ग्रंथ रा रचयिता कुण हा?

   (VIII) काव्यदोस कांई हुवै?

खण्ड–'ब' **4×8=32**

(छोटा सवाल)

निर्देश :– इण खण्ड में सूं **किणी चार** सवालां रा पडूत्तर **200** सबदां री सींव में देवणा है।

2. ''साहित्य कला है या विद्या? इण कथन रौ सार दाखळां साथै मांडौ।
3. ''रस सम्प्रदाय'' बाबत सांतरी जाणकारी करावौ।
4. आचार्य कुंतक रा वक्रोक्ति भेदां रौ संखेप मांय वरणन करौ।
5. पाश्चात्य काव्य रै जूनै रूप बाबत जाणकारी करावौ।
6. कॉलरिज रै काव्य सिद्धांत बाबत जाणकारी करावौ।

7. चावै राजस्थानी छंदशास्त्रीय ग्रंथ ''रघुनाथ रूपक'' मायै सांतरी टीप मांडौ।

8. काव्य मांय अलंकारां री महत्ता नै उजागर करौ।

9. ''दूहा'' छंद रा खास–खास भेदां रौ वरणन करौ।

खण्ड–'स' **2×16=32**

(मोटा सवाल)

निर्देश :– इण खण्ड में सूं **किणी दो** सवालां रा पडूत्तर **500** सबदां री सींव में देवणा है।

10. भारतीय काव्यशास्त्र रा विविध सिद्धांतां रौ विस्तार सूं खुलासौ करौ।

11. ''वक्रोक्ति सिद्धांत सूं जुड्योड़ी जाणकारी विस्तार साथै लिखौ।

12. चावा विद्वान अरस्तू रा काव्यशास्त्रीय सिद्धांतां री विस्तार सूं विवेचना करौ।

13. चावै राजस्थानी छंद ''दूहा'' रै भेदां रौ दाखळै साथै विवेचन करौ।